₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 82; 03/01/2019

बिषय सूची

की मेहणु बठ भरोसा करण	1
एलुच	2
रक्षाई लिये प्रार्थना	3
मने शक्ति केआं मोटि	3
फियुड़ु बुटा	4
लखे टके बोके	4

तुबारि टीमे कना तुसी सोबी नयी साले त 26 जनवरी बधे।

परमपिता परमात्मा जे प्रार्थना ई असी कि एणे बाड़ी हर रोज, हर घड़ी त हर बेला से तुसी अपु ताकत त अक्ल जुए भरिए ताकि तुस हर मुश्किले सामना कइ सकियेल।

खास रोज

हें पहेई खोहोली अंग्रेजी 21

धाणि त **तसे जुएली** केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, आठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचांते त तेस पढ़ान्ते ।

कि मेहणु बठ भरोसा करण तुसी

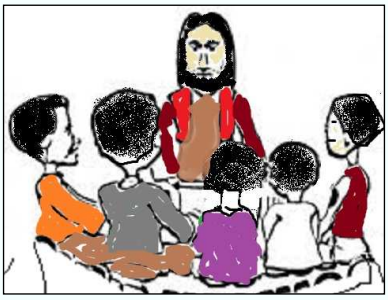

गुरुकुल अन्तर गभुरू के शिक्षा पुरी भोई गो थी। आज तेन्के अखिर रोज थिया। गुरुकुले हिसाब जोई गुरुजी अपु चेली अखिरी उपदेश देणे तियारी करण लगो थिया। जिखेईं सोब चेले गुरुकुले मुणे कलास अन्तर किठिए त गुरुजी उपदेश देण लगा। तेन्के हत कठोड़े कुछ खिलोने थिए। तेन्हि से खिलोने तेन्हि चेली हराले त बोलु, "में हथ अन्तर जे खिलोने असे अन्हि अन्तर तुसी अंतर हरालण।" गुरुजी ई बोक शुण कइ सोब चेले तेन्हि खिलोनी के कना ध्यान जोई हेरण लगे। से टहो कठोड़े बणाओ खिलोने थिए। से सोब हेरण यके किस्मी गुडडे थिए, जेन्हि अन्तर अंतर हेरण मुशकिल थिया।

तिखेईं यक चेले यक गुडडा टता त से हेरा। बोलु हेरे इसे कनि छन असे। ई निशाणि सुआ थिया। ई हेर कइ सोबी चेली तेन्हि अन्तर से अंतर हेरण लाई छा। तेन्हि सोबी गुरु जे बोलु कि एन्हि अन्तर एईए अंतर असा कि एसे कन अन्तर छन असे। यक गुडडे कन अन्तर भोई कइ होर कने बइ बहार नुसो असी। यक होर गुडडे कने बइ तार नुसो असी त मुँहे बइ बहार नुसो असी। यक तेसे कने बइ तार छाणे बेलि कोठीयारी ना निसती। तेन्के जबाब शुण कइ गुरु बोलु "तुसी सोबी सही बोलु। अब गुरुजीए यक निकि तार दिती त तन्हि जे बोलु कि गुडडे कन अन्तर छाणे। चेली तिहांणी कि से कि हेरते कि तेन्हि यक गुडडे कन कि छई त होर कने बइ बहेत नसी। यक होर तेस गुडडे कने बइ छऊ त तेसे मुँहे बहार नसी। यक तेस गुडडे कने बइ छई त से तार कोठियारी ना निसी।

इस बठ तेन गुरु से समझे कि हेरे तुं सोबी के जिन्दगी अन्तर टाई किस्मी मेहणु एन्ते। यक से भुन्ते जे यक कने बई शुणते त होर कने बई बहारी कढ़ते। ई मेहणु जोई तुस अपु बोके ना बोले। यक से मेहणु भुन्ते जे यक कने बई शुणते त होर जे बोते। ई मेहणु जे तुस मने खेरी बोके होरी जे ना लां। तिहांणि तुस होर तेस गुडडे ई अपु हर बोके तेस मेहणु जे लाई सकते। जेस बठ तुस भरोसे कइ सकते, से तेस टेका गुडडा ईं असा। तेस कियां तुस केसे बोके बोल सकते त तेस कियां शुण सकते। ई मेहणु तु तागत बणते। बस तुसी मेहणु सही परखणे जरुरी असी।

एलुच

यक कुई नउ एलुच थीउ
से कलाड़ जमो थी
कलाड़ जमो थी तेसे मथलव असा आडू

एलुचे ईए त तेसे बोउए पेहला सुराल भुंतेथ
किस कि से तेथ एलुचे टेके जमील थी,
तेस दुई टाई ईनाम मेई
लाल रंग पलास्टकि बुटे, यक छातरोड़
दुहो ईनाम तेस सुआ अब्बल लगो थिए
से तेन्हि राती दन हेरते रहेन्तीथ।
किस्मत जोई अभेई बी गेर्मी टेम थिया
भ्यागे टेम दिस चमकण लगो थी।
ई एलुच एभेई तकर बी अंगन बाड़ी सेकुल पुजांण जे धेन्तीथ।
तेखेई एलुच अपु ईया कियां पुछतीत ईया मेघे किस ना लगती?
एलुचे रोज के ईए जबाब मेताथ कि, घीरा कर घीरा कर मेघे लग घेती।

यक रोज एलुच जादु ई अबाज भु
किस कि तेन्हि टेमी धुप ती तेज लगतीथ
जेखेईं से भ्यागे दुध पीड़ लगो थी तेसे ग्लास बठ

धुपी रासण लगी तेसे धे हेर काई एलुचे मन अन्तर
यक अब्बल विचार आ जेसे बोली एलुच खेणी गाऊ
मोउं अपु छतरोड़ लोती
धुप मे टिरी जे लागण लगो असी
तेखेईं तेसे ईए बोलु "तु बजन छतरोड़ी बहेरी
धुपी ज्यादु मज्जा नी सकती
छरतोण अस मेघ बच नेते जेसे बोली
अस तेसे सुअ मजा नी सकते"
किस कि तेन अपु छतरोण तिएस बहेरी ना नी बठि

होस भ्यागे तेन अपु बिया जे बोलु
कि हि मेईं अपु छतरोड़ ना नी बटि
"अज त मोउं से लोती ई लोती
आज बहेरी हव लगो असी ता जेसे बोली
में टिरि पेणेटी लगे तेसे ईए तिएस तेस जे ना
कि किस कि तिएस बहेर हवा लगो थी

तेसे ईए बोलु कि न त तें छतरोड़ हवाई बोले टुट घेंती
या तेस हवा उडार छांती।
अस एस मघे रोज बहेरी नेन्ते
जेसे बेलि अस एसे ज्यादा फेदा नी सकते।"

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

रक्षाई लिए प्रार्थना

ए परमेश्वरा, में बोकी पुठ कन ला। में टड़ण पुठ ध्यान दे।
ए में राजा, ए में भगवाना, में अरदास पुठ ध्यान दे, किस कि अउं तोउए केईं प्रार्थना कता।
ए ईश्वरा, भ्यागे में अवाज तोउ शुणियेल, अउं भ्यागे प्रार्थना कर कइ तोउ भाड़ बिश्ता।
किस कि तु ईं ईश्वर न भो जे दुष्टी के बेलिए खुश भोल। बुराई तोउ जुएई साते न बिश सकती।
घमंडी तें समाड़ी खड़ बि न भोई सकते। तोउ सम्हाई अन्याय करणेवाड़ी रशुणे लगते।
तु तेन्हि खतम कता जे झूठ बोते। होर तु मेहणु मारी त छल कपटी हेर नफरत कता।
पर अउं त तें कदि न मुकणेवाड़ी दाह-दयाई बेलिए तें घर अन्तर एन्ता।
अउं तें डर मान कइ तें शुचे देहेरे कना जे ठेल देन्ता।
ए परमेश्वरा, में दुश्मणी के बझई जुएई अपु धर्म अन्तर हंठुण जे मोउं बत हराल।
में अगर अगर अपु बत सुसुर हराल।
किस कि तेन्के मन अन्तर कोई सच्चाई नेई, तेन्के मन अन्तर नहर पाप असा।
तेन्के कियाड़ी खुलो कबरी ईं असी, त से अपु जिभुड़ बइ सिपरी सिपरी बोके कते।
ए परमेश्वरा, तु तेन्हि दोषी बणा। से अपु उपाये बेलिए अपफ झड़ घेन्ते।
तेन्हि तेन्केरी सुआ पापी के बझई जुएई उओ बहार ला, किस कि तेन्हि तोउ जुएई बबेला कियो असा।
पर जेतु बि तोउ पुठ भरोसा कते से सोब खुश रहेल, से हमेशा जोरि जोरि घीत लांते रहेल,
किस कि तु तेन्के रखवाली कता।
होर जेन्हि तें नउ ट्यारु असु, से तोउ केईया फलते फुलते रहेल।
किस कि तु धर्मी मेहणु अशुश देन्ता, ए परमेश्वरा, तु तेस अपु कृपादृष्टी बेलिए घेर रखता।

मने शक्ति कियां मोटी कोई शक्ति नेई

यक रोज स्वामी विवेकानंद यक अंग्रेज जोई रड़कण लगो थिया। तिखेईं यक जगरा बधेल तेन्के कना जे दौड़ुण लगा। अंग्रेज तठिया दौड़ कइ फाटे होर कना घेई गा। स्वामी जी तेन्के मद्द करण जे होरा कोई उपया ना आ त से बधेले अगर खड़ी बिशा त से अंग्रेज तेसे धे हेर कइ हेरान भोई गा।

जिखेईं अंग्रेज स्वामीजी केआं पुछु कि तोउ बधेल हेर डर ना लगा ना तिखेईं में मन ई हिसाब करण लगा कि से मोउं हुनेल त अउं कतु दूर झड़ता। पर से कछ टेम बाद से बिश गा त से पतुं जे घेण लगा। एस बोके शुण कइ से अंग्रेज लाजेई गा।

अंग्रेजे पुछु कि अतो खतरनाक टेम अन्तर बि तेईं की साहस कठेरा? स्वामी जीए दुई घोड़ टाते। से दुहो अपफ बुच रगड़ कइ ----बोलु, "खतरे त मरणे सामणे अउं अपफ जे शुकराड़ी घोड़ के ईं शकत मेहसुस कता किस कि मेईं भगवाने जे ठेल दुतो असा"।

त अगर तुस अपु मने शक्ति बेलि कोई बि कम करणे ठीक कते त भुई सकतु कि तुस झट से कम कइ सकते। तोउं त मेहणु ई उजवाण बि देन्ते कि "मने शक्ति केआं मोटि कोई शक्ति नेई।"

फियुड़ बुटा

बोड़ी भारी पुराणि बोक भो। यक देश अन्तर यक राजा थिया, जेस बठ देवता खुश भुआ त तेस कें आ। तेसे धे यक तलवार दिति त तेस जे बोलु "तु पुरी दुनिये जीतिण दे।" इ शुण कइ राजे देवते कियां पुछु, "भगवाना, तुस बि कमाल कते, मोउं केस चीजी कमी असी जे अउं पुरी दुनिये जीतुण।

इ शुण कइ तेन देवते सोचु त तेस जे बोलु "तें धे अउं यक मणि देन्ता जेसे बेलि कि तु सुआ धन कमाई सकता।" इ शुण कइ राजे तेस जे बोलु "भगवाना, अउं अतु धने बइ की कता।" राजे तेस नेण केआं बि मन्हा कइ छा। तेस केआं बाद तेन तेसे घे यक अपसरा दिती त बोलु "अउं तोउ जोई बिशुण जे यक अपसरा देन्ता।" इ शुण कइ राजे तेस जे बोलु "भगवान जी, मोउं ए बि ना लोती। तुसी के एस केआं बि अब्बल कुछ होरु असु त बोले।"

देवता अब सोच अन्तर घेई गा, मेह्णु त ई सोबी चीजी मोउं केआं मगते त अउं तेन्के धे ना देन्ता। अउं एसे धे ए सोब किछ देण लगो असा त एस कुछ ना लौतु।" तेन तेस जे बोलु "तोउ की खरु लगतु, मोउं जे बोल।" राजे देवते जे बोलु "भगवान जी, धीक सोचिण दिए कि अगर अउं तलवार नियुं त एसे धार यक ना यक रोज त खतम भोई घेण असी। होर ना त अउं जुग जुग इठि रहेणे बणा असा। अगर अपसरा जे हां कता त तेसे जे जोसणी रोठे ई जे मुहु असु से बि ता अतुलनीत नेई। तेस मणि अपु किएड़ी बइ लाणे बेलि जेसे बोली कि कदि धन ना मुकता तेस लाणे बि कोई फायदा नेई। त फिर किस मोउं एन्हि सोबी चीजी के लाछ करीण? तेस कियां बाद राजे तेस जे बोलु इस मतोके अब्बल अब्बल चीजी हेर कइ त देवते बि धरती बठ एन्ते रेहन्ते। तोउं त तुस मेघे यक फियुड़ बुटा दे। अउं तेस मोटिते त तेस जोई फियुड़ लुगते हेरुंण चहतां। एस कियां मोटि मोउं होर कोई चीज ना लौती।

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेह्णु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपा◌ं असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418429574

9418329200

9418411199

9418904168

9459828290

लखे टके बोके

- खरे जबाव शुणणे बेलिए लहेर ठन्ही घेन्ती, पर गियाई के बेलिए लेहर एन्ती।
- अक्लदार मेह्णु ज्ञाने सुसुर प्रचार कते, पर मुर्ख मेह्णु के मुँहे बइ मुर्खता निस घेन्ती।
- परमेश्वर हर कना हेरता, से बुरे भले दुहि हेरता।
- शान्ति देणेबाड़ी बोके जिन्दगी बुटा भो, पर उमल सुमल बोकी के बेलिए आत्मा दुखी भुन्ती।
- मुर्ख मेह्णु अपु बोउए शिक्षाई कोई परवाह न कता, पर जे डरुण मनता, से चलाक बण घेन्ता।
- धर्मी मेह्णु गी सुआ धन दौलत रेहंती, पर दुष्ट मेह्णु कमेई अन्तर कोई बरगत न रेहंती।